पेशँळो ऐर गरिबड़ो लाजर

THE RICH MAN AND LAZARUS

Merwari

पेशँळो ऐर गरिबड़ो लाजर

THE RICH MAN AND LAZARUS

Images by © 2021 Sweet publishing.
Prepared By CBL Team.

Merwari
Ajmer, Rajasthan, India

Copyright © 2021, NLCI

http://creativecommons.org/licenses/by/4.0/
You are free to make commercial use of this work. You may adapt and add to this work. You must keep the copyright and credits for authors, illustrators, etc.

Basic Book in Merwari Language
(Red Level Book-9)

प्रकाशन:-
राजस्थान इनिशिएटिव
बंगला न. 34
कुन्दन नगर श्रीनाथ मन्दिर रोड़
अजमेर 305001,राजस्थान

दो बात

प्रभु की दया से हम मेरवाड़ी क्षेत्र में साक्षरता कार्यक्रम चला रहे है। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ना लिखना सीख सकें। उसी आधार पर इस किताब को भी तैयार किया गया है। यह एक कहानी की किताब है। जिसमें धनी व्यक्ति और निर्धन लाजर के बारे में बहुत ही कम शब्दों में और बहुत ही सरल रीति से बताया गया है। इस कहानी को हमने अपनी मातृभाषा में ही तैयार किया है, जिससे वह इस कहानी को आसानी से समझ सकें और अपनी मातृभाषा में पढ़ने और लिखने का प्रयास कर सकें। हमारी यही प्रार्थना है की हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढने लिखने मे सक्षम बन सके।

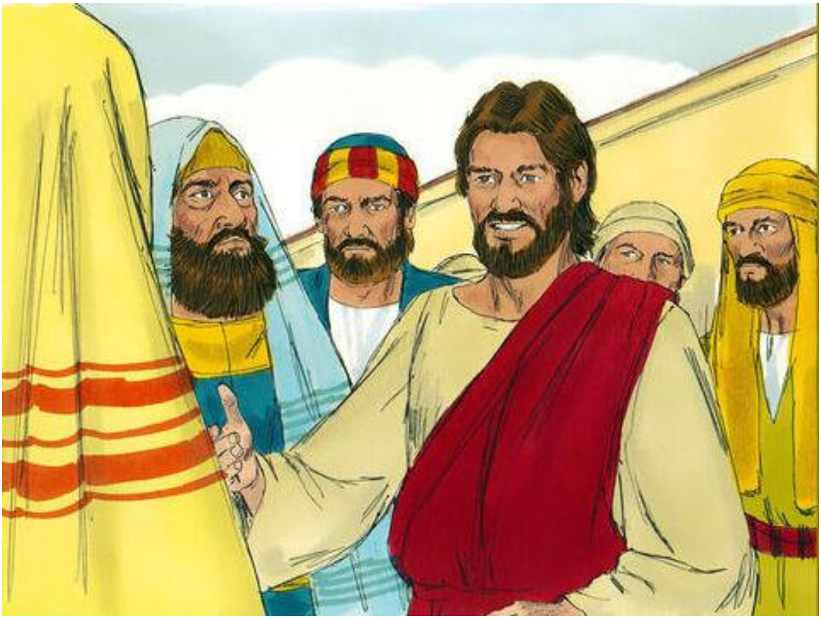

एक दन ईंसु मनकँ न परमेसर
का बचन हुणारियो हो।
बटे याजक ऐर मंदर म शेवा
करबाळो बि ईंसु कि बातँ
हुणरिया हा।
ऐर बे ईसु कि बातँ न हंसि म
उडारिया हा।

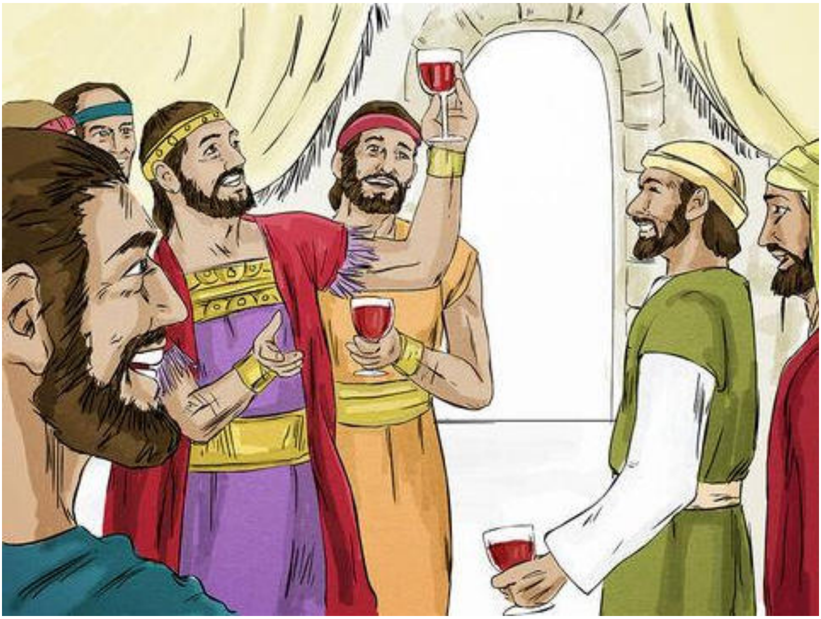

ईसु ब्य़ानअ एक काणि हुणार हमझायो
एक पेशँळो हो,जो फूर्रा फूर्रा मखमल का गाबा पेरो ओ।
ऐर घणा मजँऊँ रेवो ओ।

बटेई लाजर नाऊँ को एक
मंगतो,जिके दुकणा हियोड़ा हा।
मनक बीनअ पेशँळा का बार्णा
परँ छोड द्येवा हो।
बि मंगता का दुकणँ न गडकड़ा
चाटता रेवा हा।

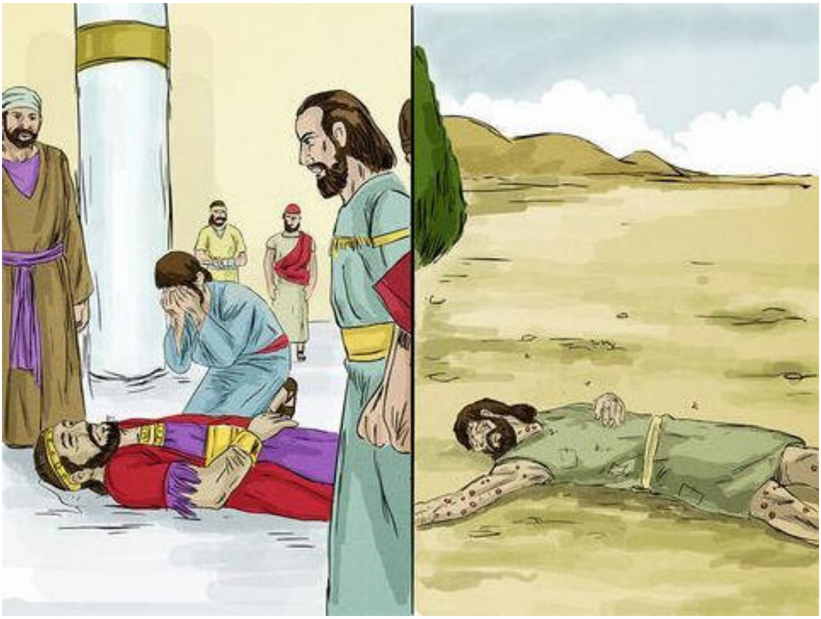

एक दन बो मंगतो मरज्यो।
ऐर हरगदूत बिन अबराम कि
गोज्यँ म लेजार बटाण दियो
बो पेशँळो भि मरज्यो ऐर बिन
लेकार मनक गाड़र आज्या
ऐर बो नरक म बलबलाट करर
ऊपरँ देच्यो ।

ऐर अबराम न कियो मार परँ
दिया कर ऐर लाजर न खंदाज्यो
बो बिकि आंगळि पाणि म डबोर
मारि जिब न हिळि करे
चुँकि मूँ अटे लाई म बळ रियो
हुँ।

अबराम पेशँळा न कियो,तु
थारा जीवण म घणा मजँ म
रियो
ऐर लाजर पीड़ मई रियो।
पण अब बो अटे नेटाव म हे
ऐर तु पीड़ म हे।

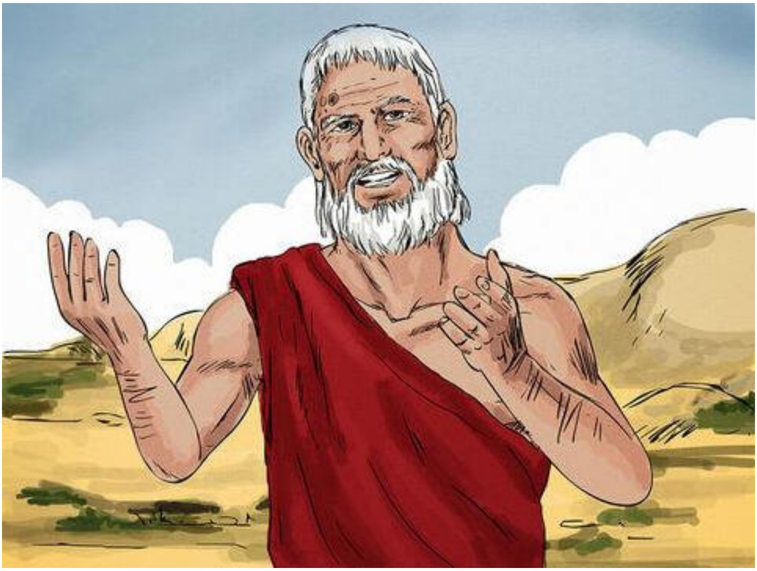

पचँ अबराम कियो,माके ऐर
थारे बच म ऊँड़ो खाड़ो हे
जिऊँ अटऊँ कोई थारे कन
आबो बि चावे तो बि नि आ
सके हे।
ऐर बटऊँ बि कोई अटे आबो
चावे तो बि नि आ सके हे।

पेशँळो अबराम ऊँ बिनती करबा लाज्यो,के इनअ मारा बापू के घरँ खंदा ज्यो।

के ओ बटे जार मारा पाँच भायँ न चेता ज्येवे।

कटेई यान नि हो जावे के ब्य़ानअ भी अटे आर बळणो पड़े।

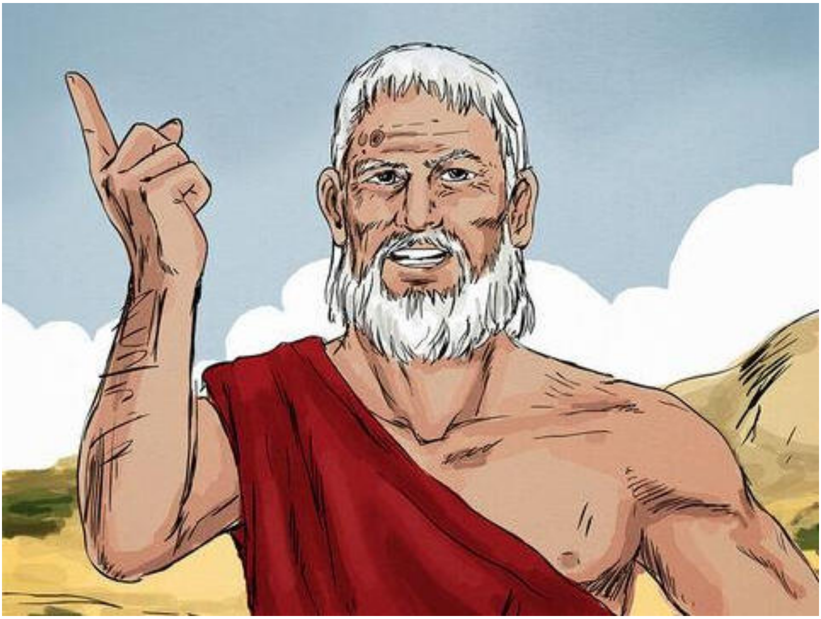

अबराम बिनअ कियो ब्य़ाँके
कनअ तो मुसा कि कताबँ
ऐर परमेसर कि ब़ातँ केबाळँ कि
कताबँ हे।
जिऊँ ब्य़ाँनअ बचन बोलबाळँ
की हुण्बाज्ये।

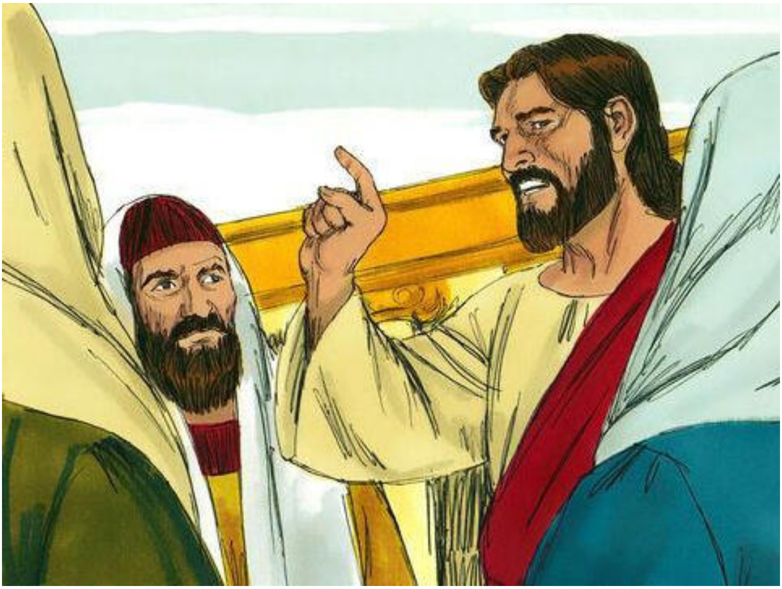

फेर पेशँळो कियो के बे कटे
ब्याँकि हुणे हे।
पण मर्योडँ मू ब्य़ाकन जाई तो बे
ब्याँकि हुणर मन बदल ल्येई।
पण अबराम कियो के जद बे मुसा
ऐर परमेसर का शेवकँ कि नि हुणे
तो,मर्योडँ मू कोई जन्दो भी हे जाई
तो बि बे ब्याँकि नि हुणि।

यह किताब एन.एल.सी.आई के द्वारा तैयार की गयी है। हम मातृ भाषा में साक्षरता कार्यक्रम करते हैं। जिसके अंतर्गत हम अपने क्षेत्र के अलग अलग भागों में सेवा देते हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि, हमारे क्षेत्र के असाक्षर लोग और बच्चे साक्षर हो सकें और पढ लिख कर अपने समाज का विकास कर सकें। हम जानते हैं कि हमारे क्षेत्र के अधिकतम लोग बोल-चाल में हो या काम-काज में हर स्थान पर अपनी मातृभाषा का उपयोग करते है। इसलिये हम अपने क्षेत्र के लोगों के लिये जो भी पाठ्य सामग्री तैयार करते है, उसे उन्हीं की मातृभाषा में तैयार करते हैं। जिससे उन्हें पढ़ने और लिखने में आसानी हो और वो जल्दी ही पढ़ना और लिखना सीख सकें। हम अपनी संस्था में साक्षरता के द्वारा मातृभाषा में वयस्क शिक्षण ही नहीं चलाते बल्कि, अपने क्षेत्र में पढ़े-लिखे लोगों के लिए तथा बच्चों के लिए भी अलग-अलग तरह कि पाठ्य सामग्री भी उन्हीं की मातृभाषा में उपलब्ध कराते हैं। जिससे कि बच्चे अपने बचपन से ही अपनी भाषा को महत्व दें जिससे हमारी भाषा लुप्त ना हो। हम प्रार्थना करते हैं कि, हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ लिख सकें और हमारे क्षेत्र का और अधिक विकास हो सकें।

॥धन्यवाद॥

Let's grow a library
Bloom®